bjpkamaljyoti@gmail.com संवत 2076 युगाब्द 5120 मूल्य : ₹10 अंक – 16, मार्च द्वितीय अंक 2021, कुल पृष्ठ – 32

वर्तमान

कमल ज्योति

सुराज की विचार यात्रा

प्रदेश कार्यसमिति

भारतीय जनता पार्टी
प्रदेश कार्यसमिति बैठक

प्रदेश कार्यसमिति बैठक

भारतीय जनता पार्टी
प्रदेश कार्यसमिति बैठक
भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश

भारतीय जनता पार्टी
प्रदेश कार्यसमिति बैठक
15 मार्च, 2021
प्रदेश कार्यसमिति बैठक

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री स्वतंत्र देव सिंह

सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी

प्रबन्ध सम्पादक
राजकुमार

प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह

पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय
कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक
नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

संपादकीय

संभावनाओं का विशाल प्रदेश

2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब कहा था कि,भारत को एक विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने का उनका प्रबल संकल्प है तब देश के अधिकांश क्षुद्र मानसिकता वाले लोगों को यह नागवार गुजरा था। लेकिन, जब भारत ने विकास के समग्र पायदान पर आना आरंभ कर दिया तब उसका सीधा लाभ देश के उन सभी वंचितों को मिलने लगा जो पिछले 73 वर्षों से गरीबी हटाओं के नारे में सकुचाये खड़े थे। इससे प्रधानमंत्री की अप्रतिम दूरदृष्टिवादी चिंतन से देश के बीमारू राज्यों ने भी छलांग भरनी आरंभ कर दी। उनमें से एक राज्य अपना उत्तर प्रदेश भी है....।

2017 में जब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब प्रधानमंत्री के नये भारत के आधार पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नये उत्तर प्रदेश का रोडमैप तैयार किया। जिसमें औद्योगिकरण, कृषि का विकास, ढांचागत विकास, तीर्थाटन पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ, एक्सप्रेस वे, अवस्थापना सुविधा, एक जिला एक उत्पाद के विषय शामिल रहे। प्रथम वर्ष किसानों के विकास पर केन्द्रित रहा। अगला साल औद्योगिक विकास, फिर महिला सशक्तिकरण चतुर्थ वर्ष युवाओं की शिक्षा, कौशल संवर्द्धन, रोजगार, के अवसर देने वाला रहा। पिछले चार वषों में सरकार लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में बढ़ती रही। पांचवा वर्ष अप्रतिम विकास को समर्पित हैं। कोविड–19 संक्रमण काल में बेहतर प्रबंधन के बाद सरकार 'समग्र विकास एवं समावेशी विकास की ओर जा रही है। सही अर्थो में प्रदेश स्वावलम्बन के पथ पर आगे बढ़कर आत्मनिर्भर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। असीम संभावनाओं से युक्त प्रदेश को सबल राज्य बनाने की ओर भाजपा की सरकार प्रयासरत है।

परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति सालाना आय बयालीस हजार रुपए से बढ़कर बहत्तर हजार रुपए प्रति व्यक्ति है। प्रदेश में अट्ठाइस निजी यूनिवर्सिटी चल रही हैं। आठ नई राजकीय यूनिवर्सिटी बन रही है। किसानों को नई तकनीक से जोड़ा गया है। कृषि,सिंचाई,फसल बीमा सम्बन्धी योजनाएं लागू हैं। बेसिक शिक्षा में एक करोड़ अस्सी लाख बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें, यूनिफार्म,स्वेटर,जूते मोजे दिए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा इनोवशन हब बनने की ओर है। हर मंडल पर एक विश्वविद्यालय का कार्य प्रगति पर है। पर्यटन से रोजगार को जोडने का द्वारा अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण से आरंभ हा गया है। सबसे युवा प्रदेश वाले राज्य में पर्यटन को रोजगार का हथियार बनाने के लिये भाजपा सरकार ने प्रत्येक जिले में एक पर्यटन केन्द्र बनाने की ओर रूख कर दिया है। ऐसी अनगिनत योजनाओं और युवाओं का चार लाख रोजगार देने के बाद मीडिया के बड़े वर्ग को लिखना पड़ रहा है कि अगली साल फिर भाजपा सरकार...। हाल ही में एक सर्वे के अनुसार, लोगों ने भाजपा सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में नौकरियां को माना है। कोरोना महामारी के नियंत्रण, अपराध नियंत्रण ढांचागत परियोजनाओं को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

यह सब अनायास नही हैं.....क्यों की

उत्तर प्रदेश अर्थात भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य। वह प्रदेश जो राष्ट्रीय सकल घरेलू

उत्पाद में आठ प्रतिशत योगदान देता है। उत्तर प्रदेश अर्थात देश की 18 प्रतिशत जनसंख्या। इस प्रदेश की 23 करोड़ से अधिक की जनसंख्या और यहां की विशाल जनशक्ति के आधार पर यह सबसे बड़ा बाजार है। इस राज्य की 56 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी आयु वर्ग वाली है। इस विशाल डेमोग्राफिक डिविडेन्ड (जनसांख्यिकी लाभांश) का कौशल विकास संभावनाओं को रेखांकित करता है। इसका उपयोग प्रदेश के औद्योगिक विकास में करने के लिए सरकार कदम उठा रही है। लाकडाउन के मध्य आज प्रदेश में पीपीई किट व मास्क निर्माण करने वाली 43 से अधिक इकाइयां हैं।

यदि हम कार्यो और गुणवत्ता के आधार पर समझे तो 2017 से अब तक भाजपा सरकार ने जो कहा था उसको करके दिखाया है। अपने राजधर्म का अक्षरशः पालन किया है। राजधर्म कहता है किराजा को सूर्य के समान प्रतापी होना चाहिये। वह सब के बाहर और भीतर मनों को अपने तेज से तपानेवाला होना चाहिये जिसको पृथिवी में कोई तिरछी व कठोर दृष्टि से देखने में समर्थ न हो। राजा अपने प्रभाव से अग्नि, वायु, सूर्य, सोम, धर्मप्रकाशक, धनवर्द्धक, दुष्टों का बन्धनकर्ता, बड़े ऐश्वर्यवाला हो। ऐसा गुणवान व समार्थ्यवान मनुष्य ही सभापति राजा होने के योग्य होता है। यह सब कुद प्रदेश ने पिछले चार वर्षों देखा है।

महान ऋषि कौटिल्य इस विषय में कहते हैं कि

प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम।

प्रजा के दुखों के निवारण में अपने आपको, अपनी राजशक्ति को और अपने कर्मचारियों को झोंक देना चाहिए। क्योंकि राजा का अपना प्रिय अर्थात स्वार्थ कुछ भी नहीं है, प्रजा का प्रिय ही उसका प्रिय है। राम चरित्र मानस में गोस्वामी जी राजधर्म को लेकर कहते हैं कि....

मुखिया मुखु सो चाहिए, खान पान कहुं एक। पालइ पोषइ सकल अंग तुलसी सहित बिबेक।।

अर्थात मुखिया पक्षपाती और अन्यायीन हो, अपितु मुख के समान सबके प्रति न्यायशील और समदर्शी हो। भाजपा सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी की यही समदर्शी भावना उनको सबसे आगे कर देती है। 2017 से मोहि कहां विश्राम की तर्ज पर लगातार प्रवास, कार्यमंत्रणा और हर कार्य को समग्रता के साथ पूर्णता की ओर लेकर जाना उनकी अभिन्न कार्यशैली का भावना पथ रहा है। गौ गंगा और गति उनके इलेक्ट्रान,प्रोट्रान और न्यूट्रान है। उनकी सेन्ट्रीफ्यूगल फोर्स उनकी समादाम दंड और भेद की कार्यनीति है। जो उनकी सफलता के कई सोपान खोलती है। योगी आदित्यनाथ भाजपा का वह चेहरा है जिसने चुनौतियों से लड़ना सीखा है झुकना नहीं। वे अकेले व्यवस्था को सुधारने की हर कोशिश में संलग्न हैं। किसान उनकी भावनाओं के केन्द्र बिन्दु है तो महिलाओं की सुरक्षा उनका संबल। प्रदेश को पांच मिलियन डॉलर वाली इकोनॉमी बनाना उनका लक्ष्य है तो प्रदेश के आर्थिक पराभव के भाव को सूर्य के सदृश चमकाना उनकी रक्तशिराओं का वह संजाल है जो निरंतर उनको गति प्रदान करता है। न थकना–न रूकना–न सोना उनके राजधर्म का संज्ञान है। यह संज्ञान ही उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य की वैभव का उदभव करने वाला यंत्र है। यह चार वर्ष उनकी कोशिशों का अमृतकलश है। इस कलश का अभूतपूर्व स्वागत...।

हर आंगन में वैभव का स्वप्न हुआ साकार ।
यूपी फिर से बनेगा भारत का स्वर्णिम आधार।।

akatri.t@gmail.com

अध्यक्षीय उद्बोधन

युवाओं को रोजगार, किसानों से सरोकार ये है चार बरस की योगी सरकार: स्वतंत्र देव

ब्रह्मर्षि वशिष्ठ की पुत्री गोमती के तट पर बसे लक्ष्मणपुरी में आप सभी का स्वागत अभिनदंन और वंदन करता हूं। लखनऊ वर्तमान उत्तर प्रदेश की राजधानी है। प्राचीन भारत में यह कोशल राज्य की राजधानी के रूप में जानी जाती थी। भगवान श्रीराम के अनुज शेषनाग के अवतार लक्ष्मण जी ने इस नगर को बसाया। मध्यकाल में इस शहर ने सभ्य शिष्टाचार, सुंदर उद्यान, कविता, संगीत और राजसी भोजन के साथ उत्तर–दक्षिण एशियाई संस्कृति के इतिहास से अपनी पहचान बनायी।

इस सुंदरशहर में कोरोना संक्रमणकाल के बाद यह कार्यसमिति बैठक हो रही है। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में मिली विराट विजय के बाद हम सबने एक विषय पर ध्यान केन्द्रित किया और वह था संगठन गढ़े चलो। सबके अथक परिश्रम और प्रयास से आज प्रदेश भाजपा का सशक्त और शक्तिशाली स्वरूप देश के सामने खड़ा है। ऐसे अवसर पर आज मुझे यह पक्तियां बहुत सटीक लग रही हैं कि....

प्रश्न न हो कब तक पथ चलना।
प्रश्न न हो कब तक यूं जलना।
प्रश्न न हो क्यों अणु–अणु जलना।
मन का कर अब पूर्ण समर्पण।
आदेशों की साध प्रबल हो...।
नेता पर विश्वास अटल हो...।।

यह विश्वास ही भाजपा और जनसंघ काल से हमको

सदैव आगे रखता आया है। जनसंघ के गठन होते ही देश और प्रदेश की आम जनता ने अपना विश्वास जताया। इसी आम विश्वास के प्रबल संबल से उत्तर प्रदेश जैसे सबसे बड़े राज्य में भाजपा का विजयरथ वेगवती धारा की भांति निरंतर प्रगतिपथ पर है। संगठन में समाज के सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व है। कार्यकर्ताओं के अनुभव और उत्साह में सामंजस्य है। भाजपा अपने मार्गदर्शक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के दिखाये मार्ग पर चलकर संगठन को समाज के अनुरूप सर्वग्राही और सर्वस्पर्शी बना रही है। प्रदेश के सभी 1,55,000 बूथों पर भाजपा की टीम है। 98 जिलों, 1918 मण्डलों और 27,627 सेक्टरों पर लाखों कार्यकर्ता पार्टी की ध्वजा को लहरा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश भारत में उठी हर बहस का केन्द्र बिन्दु है। क्यों कि, बिना उत्तर प्रदेश के भारत को समझना नामुमकिन है। कई सभ्यताओं की जननी रही प्रदेश की धरा वर्तमान में भी गंगा–यमुना गोमती के साथ कल–कल करती आगे बढ़ रही है। प्रदेश आज अयोध्या और काशी की प्राचीनता, आध्यात्मिकता और धरोहरों पर गौरवान्वित है। काशी अपनी पुरातन काया सहेजते हुए नये कलेवर में है। काशी में देव दीपावली और शिवरात्रि, अयोध्या में दीपोत्सव और रामनवमी, मथुरा में रंगोत्सव और जन्माष्टमी सरकार की प्राथमिकताओं में है। योगधर्म एवं संन्यास धर्म निभाते हुए जिस तरह शासन की मर्यादाओं का पालन करते हुए राजधर्म का निर्वहन सरकार के मुखिया कर रहे हैं वह बेमिसाल है।

जनसंघ के बाद अपने नये रूप में भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया। पार्टी ने अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक, राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर विशेष बल दिया। पार्टी पंचनिष्ठा के प्रमुख सिद्धान्तों को लेकर अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर आगे बढ़ती जा रही है।

इन्ही मूल्यों को लेकर लोकसभा में 2 सदस्यों वाली पार्टी ने श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व में देश का नेतृत्व किया। उसके 10 वर्ष बाद वर्तमान में भारत के रक्षा मंत्री और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय राजनाथ सिंह जी के कुशल नेतृत्व में दुनिया के लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई में 2014 में केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। सबका साथ–सबका विकास के सिद्धान्त पर सुशासन, विकास एवं एकता अखण्डता के लिए कृतसंकल्पित भाजपा को वर्तमान गृहमंत्री एवं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जी के नेतृत्व में 2017 में उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत मिली। इस दौरान भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल होने एंव सबसे अधिक सदस्यों वाला दल बनने का गौरव मिला। 2019 के लोकसभा चुनाव में देश ने पूर्ण बहुमत के साथ पुनः माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की बागडोर सौपी। इसमें उत्तर प्रदेश ने अभिन्न भूमिका का निर्वहन किया।

2020 में कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया के जनजीवन को संकट में डाल दिया था उस समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में न केवल देश का आगे बढ़कर नेतृत्व किया बल्कि दुनिया को आगे बढ़ने की राह दिखाई। कोरोना के शुरूआती चरणों में दुनिया के शक्तिशाली देश बेबस थे। उनका स्वास्थ्य सिस्टम ढह गया था। लेकिन, भारत ने मानवता को बचाने के लिए अपने 130 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

प्रधानमंत्री जी के साहसिक निर्णय से आत्मनिर्भर भारत अभियान और हर वर्ग को सामाजिक आर्थिक सुरक्षा देने की मुहिम शुरु हुई। प्रधानमंत्री जी ने 1.70 लाख करोड़ रुपये की गरीब कल्याण योजना और 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान से न केवल अर्थव्यवस्था को नई गति दी बल्कि 80 करोड़ गरीब लोगों के सशक्तिकरण का कदम भी उठाया। साढ़े आठ करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि मिली। 20 करोड़ महिला जन–धन खाता धारकों के एकाउंट में 1,500 रुपये, तीन करोड़ दिव्यांगों, विधवाओं एवं बुजर्गों को पेंशन और उज्ज्वला योजना में 8 करोड़ महिलाओं को गैस सिलिंडर की मदद मिली।

कोरोना संक्रमण के समय जब देश के सभी राजनीतिक दल सुप्ता अवस्था में थे, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने सेवा ही संगठन अभियान के तहत फीड द नीडी कार्यक्रम का आह्वान किया जिसमें पार्टी के सभी छोटे बड़े कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की परवाह किये बिना जरूरतमंदों की सेवा कर मानवता का परिचय दिया। देश और दुनिया को भाजपा ने यह बताया कि, राजनीति केवल चुनाव के लिये नहीं होती अपितु राजनीति का एक अर्थ सेवा भी है। आज मुझको यह बताते हुए गर्व की अनुभति है कि, उत्तर प्रदेश में कार्यकर्ताओं ने गरीबों के लिये दिन–रात एक करके भोजन–जलपान की व्यवस्था की। कठिन हालतों में जब लोग एक दूसरे से दूर थे तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने

दूसरे राज्यों से पैदल चलकर आने वाले प्रवासियों के पगों में चप्पल पहनाने का कार्य किया। उनके पैरों को पोछा, जल पिलाया। कार्यकर्ताओं ने सेवा भावना की अप्रतिम मिसाल बनाते हुये चार करोड़ नमो किट जिसमें राशन सामग्री थी, का वितरण किया। हर गरीब के घर राशन और भोजन पैकेट पहुंचाने का कार्य किया। प्रदेश की सरकार ने एक देश एक राशन प्रणाली को सबसे पहले अंगीकृत करके प्रवासियों का राशन देने का कार्य किया। प्रधानमंत्री जी के वोकल फार लोकल मंत्र को लेकर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट का अभियान शुरू किया जो आत्मनिर्भर भारत अभियान के संकल्प को पूरा करने में बड़ी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। योगी जी के नेतृत्व में सरकार ने जिस शानदार तरीके से कोविड प्रबंधन कर लोगों के जीवन की रक्षा की उसकी राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हो रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार आज दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान चला रही है। दुनिया के 70 से अधिक देशों में भारत वैक्सीन की आपूर्ति कर रहा है।

ऐसे में प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए यदि कोई पार्टी कटिबद्ध होकर काम कर रही है तो वह भाजपा है। बाकी सारी पार्टियां परिवार की पार्टी है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी और देश ही परिवार है। इसका परिणाम है कि 2017 के बाद पार्टी ने सभी चुनावों में विजय पताका फहराया है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश में शिक्षक और स्नातक चुनावों में अपना दमखम दिखाया है। विपक्षी दलों की ढपोरशंखी एकता को छिन्न–भिन्न कर उपचुनावों को भाजपा ने जीता है। यह सारी उपलब्धियां भाजपा के आप कार्यकर्ताओं के परिश्रम की पराकाष्ठा का परिणाम है।

एक समय था जब कुछ लोग हमारा इकोनोमी माडल पूछते थे। उस समय हम गर्व से एकात्म मानववाद और अंत्योदय की बात करते थे। आज हमारी सरकारों के लिए यह सिद्धांत मूलमंत्र हैं। प्रधानमंत्री जी ने अंत्योदय को अपनी योजनाओं का केंद्र बनाते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत को कार्यसंस्कृति का आधार बनाया। गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित और वंचितों के लिए सरकार ने विगत छः वर्षों में इसे चरितार्थ कर दिखाया है।

इसी पथ पर चलते हुये उत्तर प्रदेश सरकार ने हर कल्याणकारी योजना को जमीन पर उतारा। मैं किस–किस योजना का जिक्र करूं। इतनी योजनाएं हैं। ढांचागत परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। आयुष्मान

भारत और किसान सम्मान निधि योजना को अच्छे तरीके से सरकार ने आत्मसात किया है। आजादी के 70 साल बाद बिजली से वंचित हजारों गाँवों में बिजली पहुंचाई। स्वच्छ भारत अभियान में 2.61 लाख से अधिक बने इज्जत घर महिला सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है।

प्रदेश में आज पांच अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट तथा आठ अंर्तराज्यीय एयरपोर्ट, चार नये एक्सप्रेस का निर्माण, डिफेंस कोरिडोर, 1.35 लाख प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प, महिलाओं की जागृति सशक्तिकरण के लिए मिशन शाक्ति अभियान, मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, चार लाख युवाओं को नौकरी, 30 नये मेडिकल कालेज, पूर्वांचल में जापानी बुखार पर नियंत्रण, चार साल में गन्ना किसानों को 1.25 लाख करोड़ रूपये का भुगतान से प्रदेश प्रगति पथ पर है।

योगी सरकार के साहसिक फैसलों ने जहां कोरोना को मात दी है, वहीं विकास के पहिये को गति दिया है। रोजगार, व्यापार, शिक्षा, सुरक्षा, निवेश, उद्योग, गोसंरक्षण, महिला, युवा, गरीब, किसान और मजदूरों के लिए काम किया गया। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म सिटी बनाने के फैसले तक भाजपा सरकार ने कई बड़े निर्णय लिये जिसने प्रदेश की दशा और दिशा बदल दी।

नागरिकों की सुरक्षा के लिये सरकार ने अपराधियों पर नियंत्रण किया। सबके प्रति समत्व भाव रखते हुए योजनाओं को बिना भेदभाव हर वर्ग तक पहुंचाया। जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में जाति–मजहब के आधार पर काम होता था। सरकार ने विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नकेल कसा। जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में नेताओं व नौकरशाहों ने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार करते हुए संपत्ति अर्जित की थी। आज एक यूनीवर्सिटी के नाम पर जमीन हड़पने वाले आज जेल में हैं और एक परिवार के लोग साइकिल यात्रा निकाल रहे है। सरकार ने एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स का गठन कर सरकारी भूमि को मुक्त कराया। भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए सरकारी अनुदान लाभार्थियों के खाते में सीधे भेजा गया।

अब से चार दिन बाद भाजपा सरकार अपने चार वर्ष का गौरवान्वित कार्यकाल पूर्ण कर रही है। चार साल में योगी जी के नेतृत्व में सरकार ने अपनी यशस्वी एवं तेजस्वी प्रणाली से पट्री से उतरी गाड़ी को एक्सप्रेस वे पर दौड़ाया है। चार वर्ष के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। इस भय मुक्त वातावरण से प्रदेश निवेशकों का सबसे प्रिय स्थान है। 2017 से आज तक कुल 3098.77 मेगावाट की विद्युत परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। पिछले चार साल में एक भी चीनी मिल बंद नहीं हुई है। गन्ना और चीनी उत्पादन सहित ऐथेनाल उत्पादन में प्रदेश नंबर एक है।

आज हम पंचायत चुनाव की पूर्वसंध्या पर खड़े है। तब मीडिया और विश्लेषक इसको विधानसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास कह रहे हैं। लेकिन वे भूल जाते हैं कि सभी चुनाव भाजपा ने जीता है। सरकार के हर काम का अंदाज ग्राम्य विकास है। पंचायती राज के लिए 712 करोड़ रुपये व्यय हो रहे है। प्रत्येक न्याय पंचायत में चंद्रशेखर आजाद ग्रामीण विकास सचिवालय बन रहा है। ऐसे में अगले साल 2022 के विधानसभा चुनाव में हम सबसे आगे रहेंगे यह हमारा विश्वास है। सरकार का काम लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। गाय, गुरुकुल, गोकुल, सब हमारे मिशन का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश को लेकर मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की भावना रही है कि पार्टी के सभी कार्यक्रम एवं नीतियों का क्रियान्वयन निचली ईकाई पर हो। केन्द्रीय नेतृत्व की भावना के अनुरूप अपने ध्येय निष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ हम अपनी विचारधारा को स्थापित करने में जुटे है। इसी संकल्प से 81 कार्यालयों का निर्माण हो रहा है। 51 कार्यालय पूरे हो गये है।

हम सदैव अपने सिद्धांतों और अपनी विचारधारा पर अटल रहे और यही कारण है कि आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। हमने मुश्किलों को चुनौतियों के तौर पर लिया और उस पर विजय पाई। देश को आगे बढ़ाना और गरीबों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना हमारा एकमात्र लक्ष्य है। हम सत्ता की राजनीति के लिए नहीं बने हैं। सत्ता हमारा लक्ष्य नहीं है। हमारे लिए सत्ता देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का माध्यम है।

इसी संकल्प और संगठन शक्ति के साथ आप सभी के सहयोग की कामना करते हुए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

आप सबका बहुत बहुत आभार .....

प्रदेश कार्यसमिति बैठक : उद्घाटन सत्र

व्यक्ति कद और पद से बड़ा नहीं होता बल्कि कृतियों से होता है : राजनाथ

हम राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति आग्रही हैं हम कोई वादा झूठा नहीं करते : गृहमंत्री

15 मार्च सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति का उद्घाटन करते हुये केन्द्रिय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए जनसंघ काल से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक का सफरनामा सुनाया। श्री सिंह ने कहा कि व्यक्ति का कद उसके पद के कारण नहीं, बल्कि उसके कृतित्व से बड़ा होता है। उन्होंने याद दिलाया कि, जनसंघ काल में तो कोई सोच नहीं सकता था कि हम सरकार बनाएंगे। आज चप्पा–चप्पा भाजपा, का नारा चरित्रार्थ है। अधिकतर पार्टियां टूटीं, लेकिन भाजपा में आज तक टूट नहीं हुई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यसमिति बैठक को संबोधित करते हुए कहा, गरीब मां की कोख से पैदा हुआ व्यक्ति भाजपा में ही अध्यक्ष व प्रधानमंत्री बन सकता है। भाजपा का कार्यकर्ता पद व कद की सीमा से परे है, उसे इसमें बांधा नहीं जा सकता। आगे कहा कि, कहा कि व्यक्ति कद उसके पद के कारण बड़ा नहीं होता बल्कि उसकी कृतियों के कारण होता है। निःस्वार्थ भाव से परिश्रम करे, इसी से प्रतिष्ठा हासिल होती है। उसे सम्मान हासिल होगा जो पद पर बैठे व्यक्ति को शायद ही अर्जित हो। इसलिए मांगना नहीं परिश्रम करते रहना चाहिए। भाजपा अन्य पार्टियों से अलग है, कुछ एक दो लोगों की वजह से भाजपा का मूल्यांकन नहीं हो सकता। आज हम विश्व के सबसे बड़े दल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजनीति में विश्वास के संकट को भाजपा ने खत्म किया है। उन्होंने अनुच्छेद 370, तीन तलाक व राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि हमने जो कहा था, वो कर दिखाया है। अब कॉमन सिविल कोड की बात होगी। जाति और मजहब पर नहीं, बल्कि इंसान, इंसाफ व इंसानियत को मूल में रखकर फैसले किए हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा लाचारी जताने पर भी तंज किया।

कोरोना में 100 के करीब लोगों की मौत हुई थी, हमने लॉकडाउन की घोषणा की। बहुत से अर्थशास्त्रियों ने इसके दुष्परिणाम पर आगाह किया। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी ने एक–एक व्यक्ति की चिंता की। जब प्रवासी श्रमिकों का पलायन शुरू हुआ तो प्रधानमंत्री जी को सर्वाधिक कष्ट हुआ। हमने गरीबों को मुफ्त राशन और संसाधनों की व्यवस्था की। तब कांग्रेस के एक बड़े नेता ने मुझसे कहा कि यह भाजपा ही कर सकती है। क्वाड की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की तारीफ की। हमने दुनिया की कुल वैक्सीन्स का 60 प्रतिशत का उत्पादन किया है। हम दुनिया के 70 प्रतिशत देशों को वैक्सीन मुहैया करा रहे हैं। लोग सवाल उठाते हैं कि अपने देश के लोगों की बजाय

मोदी जी दूसरे देशों को वैक्सीन मुहैया करा रहे हैं। मैं यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमने हर एक नागरिक के लिए व्यवस्था की है। इसके लिए किसी भी व्यक्ति को चिंता करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि, हम राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति आग्रही हैं, केवल सत्ता प्राप्त करने वाली पार्टी नहीं सोच सकती भाजपा ही सोच सकती है। हम पाने शहीदों, बलिदानियों और प्रेरणा देने वाली विभूतियों के बारे में पूरे देश को बताएंगे। 2022 में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से के 75 सप्ताह हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं। पार्टी भी इस अभियान को व्यापक तौर पर मनाएगी।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा हम जो संकल्प लेते हैं उसे पूरा करते हैं, हम कोई भी वायदा झूठा नहीं करते हैं। धारा 370 की बात हो हर चुनाव में उसे दुहराते थे। उसे हमने पूरा किया। तीन तलाक की बात हो, यह कॉमन सिविल कोड की बात हो। इसे हम जाति मजहब के नाम पर नहीं बल्कि इंसान और इंसानियत को मूल में रखकर की है। राम मंदिर का विषय हो, हमने मंदिर भी बनाया और तारीख भी बताई। यह संयोग ही है जब ढांचा गिरा था तब भी भाजपा की सरकार थी और जब मंदिर का शिलान्यास हुआ तब भी भाजपा की ही सरकार है। हम पूरे विश्व को अपना परिवार में कर विश्व कल्याण की भावना से काम करने वाले हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत ही हमारी वैश्विक ताकत है।

श्री सिंह ने कहा, कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लाचारी व्यक्त की कि भ्रष्टाचार के नाते मैं पूरी मदद नहीं कर सकता। हमारे पीएम ने लाचारी नहीं जताई जनधन के खाते खोले और हर व्यक्ति को सीधे मदद की। कहीं भी एक पैसा भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ा। गरीबों को छत दिलाई, आज यूपी में 40 लाख घर बन रहे हैं।हमारे प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को आंदोलन में बदला, पीएम ने झाड़ू उठाई तो लोगों ने मजाक बनाया। आज परिदृश्य बदला है डब्ल्यूएचओ भी इसकी तारीफ करता है। हर घर बिजली का अभियान हो या उज्ज्वला योजना यूपी ने सबसे ज्यादा काम किया। योगी जी के नेतृत्व में यूपी ने बहुत अग्रणी भूमिका निभाई है। बाण सागर परियोजना हो या सड़कों का जाल यूपी ने हर मोर्चे पर सफलता अर्जित की है। कानून के मोर्चे पर सरकार सबसे बेहतर काम कर रही है। योगी जी ने जो किया है वो काबिले तारीफ है। हमने राम राज्य की संकल्पना की है वो कानून व्यवस्था को ठीक कर ही संभव है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसान आंदोलन को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उनका कहना था कि विरोधी दल किसानों के कंधे पर बंदूक चला रहे हैं। सरकार किसानों के लिए ही काम कर रही है। एमएसपी को बंद करने का सवाल ही नहीं है। किसान हमारे परिवार का हिस्सा हैं। लोग बैठें और बात करें, जहां भी बदलाव की जरूरत है, सरकार किसानों के हित में सबकुछ करेगी। किसानों के लिए सरकार ने बहुत काम किये हैं। हमने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का निर्णय लिया है। हम इसपर काम भी कर रहे हैं। एमएसपी को बंद करने का सवाल ही नहीं है। किसान हमारे परिवार का हिस्सा हैं।

आज हम वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। सीमा की सुरक्षा हो या आंतरिक सुरक्षा का मसला। हम किसी भी मामले में कमजोर नहीं हैं। चीन के साथ विवाद की स्थिति में हमारे जवानों के शौर्य व संयम की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। हम पहले किसी पर हमला नहीं करेंगे न ही किसी को अपनी भूमि का इंच भर भी किसी को लेने नहीं देंगे। हम कमजोर देश नहीं दुश्मन की जमीन पर आतंकियों का एयर स्ट्राइक से सफाया करने वाले देश हैं। उन्होंने चुनाव की चर्चा करते हुये कहा कि, पन्ना प्रमुख हमारा बॉस है, यह पार्टी अध्यक्ष का भी बॉस है। 2017 में हमने जो भी सीटें जीतीं वह इन्हीं की वजह से है। आज देश आगे बढ़ रहा है, प्रदेश इसमें बहुत अधिक भूमिका निभाएगा। न्यू इंडिया की नींव उत्तर प्रदेश है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के कारण मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैं इसके लिए भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का बेहद आभारी हूं। भाजपा ने राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए जमीन से शुरुआत की और आज भाजपा इंटरनेशनल लेवल पर छा गई है। भाजपा की विचारधारा है कि व्यक्ति को सहज तथा सरल होना चाहिए। जिससे कि हर काम सुगमता से करने में आसानी होती है।

प्रदेश कार्यसमिति बैठक : राजनैतिक प्रस्ताव

प्रगति पथ पर समृद्धि की उड़ान भर रहा प्रदेश

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि राजनीति हमारे लिए सत्ता प्राप्ति नहीं अपितु सेवा का माध्यम है। सुशासन और विकास के माध्यम से अन्त्योदय का लक्ष्य प्राप्त करना ही हमारा ध्येय है। पंचनिष्ठा के अमृत मंत्र को अपने हृदय में तथा अन्त्योदय के सिद्धान्त को अपने मस्तिष्क में संजोकर भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक देवतुल्य कार्यकर्ता निरन्तर भारत माता की सेवा में समर्पित है। मूल्य आधारित राजनीति और पंचनिश्ठा को मंत्र मानकर केन्द्र और प्रदेश की दोनों सरकारें प्रण अन्त्योदय, पथ अन्त्योदय लक्ष्य अन्त्योदय, के सिद्धांत कोचरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की जनता का जन कल्याणकारी शासन के माध्यम से सेवा कर रही है।

आत्मनिर्भर भारत और बजट

पृथ्वी पर अभी तक मानवता के सबसे बड़े संकट कोरोना महामारी ने दुनिया के साथ–साथ भारत में दस्तक दी तब मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने इससे निपटने के लिए जो कदम उठाए उससे भारत पूरे दुनिया का रोल मॉडल बनकर उभरा। मा0 प्रधानमंत्री जी ने देश के नाम संबोधन में 20 लाख करोड़ के रिकॉर्ड एवं ऐतिहासिक आर्थिक पैकेज की घोशणा करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के माध्यम से हम इस चुनौती को अवसर में बदल देगें। 21वीं शताब्दी में भारत के सपने को साकार करने के लिए भारत का आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। यह लक्ष्य सामान्य गति से पूर्ण नहीं होगा, इसके लिए हमें ''क्वान्टम जम्प'' लगानी होगी। यह पैकेज देश की जी0डी0पी0 का 10 प्रतिशत है, जो कि दुनिया के 137 देशों की जी0डी0पी0 से अधिक एवं पाकिस्तान की कुल जी0डी0पी0 के बराबर है। जहाँ यह पैकेज प्रवासी श्रमिकों, गरीबों और किसानों को समर्पित था वहीं इसमें उद्योग इंफ्रास्ट्रचर, स्वास्थ्य व निर्यात के लिए क्रांतिकारी प्रावधान किये गये हैं। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए 11 तरह की घोषणाएं की गयी। इस योजना ने मेकइन इण्डिया के मिशन को तीव्र गति प्रदान की। अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी, डेमोग्राफी और मांग के पांच प्रमुख स्तम्भों पर आधारित इस आत्मनिर्भर भारत अभियान ने कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौती को अवसर मे बदला और समाज के सभी वर्गों को शक्ति प्रदान की। मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वोकल फॉर लोकल के लिए देशा की जनता को आह्वान किया तो सम्पूर्ण देश ने इसे स्वीकार किया तथा इसकी सराहना की। मा0 प्रधानमंत्री जी के प्रयासों

से पी0पी0ई0 किट के उत्पादन में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बना। जहाँ राशन पोर्टबिलिटी का निर्णय लेकर सरकार ने श्रमिकों एवं प्रवासी मजदूरों के लिए लोककल्याणकारी एवं क्रान्तिकारी कदम उठाया वहीं रेड़ी पटरी वालो को ऋण प्रदान कर उन्हें संकट काल में सम्बल प्रदान किया। प्रवासी मजदूरों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की गयी। एम0एस0एम0ई0 की परिभाषा में सुधार कर इन्हें प्रभावी और सक्षम बनाया गया। स्टार्टअप योजना तथा कृषि आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की गयी। मा0 प्रधानमंत्री जी के इस भागीरथ प्रयास से भारत कोरोना की विभिन्न चुनौतियों से लड़ने में सक्षम बना। स्वास्थ्य सेवाओं तथा इससे सम्बंधित उपकरणों के निर्माण में अभूतपूर्व परिणाम देखें गए। इससे भारत न सिर्फ मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है अपितु भारतीय अर्थव्यवस्था को क्वान्टम जम्प दे रहा है।

1 फरवरी 2021 को ऐतिहासिक केन्द्रीय बजट की प्रस्तुति, नए भारत की अर्थनीति का प्रकटीकरण है। यह देश की 125 करोड़ जनता की सभी वित्तीय अकांक्षाओं को पूरा करने वाला विकासोन्नमुख एवं व्यवहारिक बजट है।

देश को कोरोना के संकट से उबारने तथा 21वीं सदी के सपनों का भारत बनाने के प्रभावशाली व तपस्वी नेतृत्व के लिए यह कार्यसमिति दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी का करतल ध्वनि से अभिनन्दन करती है तथा उनका आभार प्रकट करती है।

आस्था का सम्मान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार के सफलतम चार वर्ष पूरे हो रहे हैं। चार वर्षों में सरकार और संगठन के तालमेल से सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के नए आयाम बने हैं। अयोध्या में सदियों के बलिदानों से अभिसिंचित श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर की परिकल्पना मूर्त रूप लेने लगी है। भगवान विश्वनाथ के आशीर्वाद से वाराणसी जैसी अति ऐतिहासिक आध्यात्मिक नगरी भव्यता की ओर अग्रसर हो चुकी है। मथुरा में भव्य कृष्णोत्सव, बरसाना में रंगोत्सव, रामायण सर्किट के अंतर्गत श्रृंगवेरपुर का विकास और प्रयागराज में 24 करोड़ श्रद्धालुओं की उपस्थिति में दिव्य और भव्य कुंभ के साथ भारतवर्ष के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक प्रतीक अपने पुरातन गौरव की ओर उन्मुख हो रहे हैं। इसके लिए यह कार्यसमिति मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का और उनकी सरकार का अभिनन्दन करती है।

देश में सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश

सबसे पहले यह कार्यसमिति उत्तर प्रदेश के पहले पेपरलेस और देश के किसी भी राज्य द्वारा सबसे बड़े पांच लाख, पचास हजार, दो सौ सत्तर करोड़, अठत्तर लाख रु0 (5,50,270.78 करोड़) का बजट प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमंत्री जी तथा उनके मंत्रीमण्डल का अभिनन्दन करती है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सिद्धांत के आधार पर समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों की जेब तक सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में जिस दृढसंकल्प की आवश्यकता थी, उसे मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने बखूबी प्रदर्शित किया। यही कारण है कि कोरोना जैसी भीषण आपदा में भी सबसे ज्यादा आशंका के बावजूद उत्तर प्रदेश में स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में काफी नियंत्रण में रही। अन्य दलों के लोग जहां निष्क्रिय रहे, वहीं भाजपा के करोड़ो कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन की परवाह न करते हुए आपदा से प्रभावित लोगों की प्राण–प्रण से सेवा का नैतिक दायित्व निभाया और सरकारी तंत्र को सहयोग प्रदान किया। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रतिव्यक्ति की आय दुगनी हो चुकी है। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस में दस से अधिक स्थान की छलांग लगाकर देश में दूसरे नंबर पर है। बेरोजगारी की दर जो 2017 में 17.5 फीसदी थी, आज घटकर 4.1 फीसदी रह गई है।

यह पं0 दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महामानवों की त्याग और तपस्या से रोपित वैचारिक बीज का प्रतिफलन ही है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारें गरीब कल्याण की योजनाओं को लोगों तक वास्तविक उद्देश्यों के साथ पहुंचाने में पूरी तरीके से सफल हो रही हैं। चुनाव पूर्व घोषित संकल्प पत्र के 80 फीसदी से ज्यादा संकल्प पूर्ण हो चुके हैं। आज यह बताते हुए गौरव की अनुभूति हो रही है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत मिशन के अभियान के तहत 2. 61 करोड़ शौचालय का निर्माण कर देश भर में सबसे आगे है। यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना में 40 लाख से अधिक आवास, निशुल्क 1.38 करोड़ बिजली

कनेक्शन देने में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। आज बिना किसी भेदभाव के हर जिले में 18 से 24 घंटे विद्युत की आपूर्ति दी जा रही है।

किसान कल्याण को समर्पित सरकार

श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रभावशाली और अनुभवी नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार ने पहले दिन से ही अन्नदाता के कल्याण का चिन्तन मंथन प्रारम्भ किया, जिसकी परिणति आज नए कृषि कानूनों के रूप में मिली है।

एम0एस0पी0 शत प्रतिशत जारी रहेगी, वास्तविकता यह है कि मोदी सरकार ने एम0एस0पी0 में कई गुणा वृद्धि की है और पिछली किसी भी सरकार से ज्यादा खरीद की गई है। यह किसान बिल किसानों को उनकी फसल की बिक्री के दिन या तीन दिन के भीतर भुगतान को सुनिश्चित करता है। यह कानून बिचौलियों और दलालों की भूमिका को भी न्यूनतम या शून्य कर देता है, जिससे किसान की बचत अधिकतम होती है और उपभोक्ता के रूप में जनता को भी उसका लाभ मिलता है। किसी भी तरह की धोखाधड़ी और छल पूर्ण उद्देश्य को रोकने के लिए व्यापारियों के लिए दंडात्मक प्रावधानों की रचना की गई है। किसान किसी भी समय अनुबंध से पीछे हट सकते हैं उन्हें किसी प्रकार का जुर्माना नहीं देना होगा। और किसी भी स्थिति में किसान की जमीन पूर्णतया सुरक्षित है। देश का अन्नदाता यह जानना चाहता है कि गैर भाजपा सरकार ने उसको बाजार के लाभ से अभी तक क्यों वंचित रखा। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, पेंशन योजना इत्यादि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हमारी केंद्र और प्रदेश की दोनों सरकारें किसानों को एक बाजार की ताकत के रूप में लगातार विकसित कर रही है। उत्तर प्रदेश में यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनते ही पहला कार्य किया गया कि 86 लाख लघु एवं सीमांत किसानो का 36 हजार करोड रूपये का ऋण माफ हुआ। इस वर्ष के बजट में आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, किसानों को मुफ्त पानी देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 700 करोड़ रुपये और फसली ऋण किफायती दरों पर देने के लिए 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था सहित अनेकों प्रावधान ऐसे किए हैं जो किसानों की आय को कई गुना करने के साथ ही उनके चतुर्दिक विकास में सहायक होंगे। उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को सबसे तेजी से लागू करने वाला राज्य है। इसके अंतर्गत अब तक 2. 42 करोड़ किसानों के खाते में 27134 करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना, चीनी, गेहूं, आलू, हरी मटर, आम, आंवला और दुग्ध उत्पादन में देश के पहले स्थान पर है। 20 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत2 करोड़ 5 लाख किसान बीमित हैं। इसमें से करीब 22 लाख किसानों को 1910करोड़ की क्षतिपूर्ति भी दी जा चुकी है। एमएसपी के तहत 368 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न की खरीद हुई है। 46 वर्षों से लंबित बाणसागर परियोजना भाजपा सरकार में ही पूरी की गई। इन प्रयासों से 3.77 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता बढ़ाकर किसानों को राहत दी गई। निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में साढ़े पांच लाख गोवंश संरक्षित किए गए। निजी तौर पर निराश्रित गोवंश रखनेवालों को प्रति गोवंश 900 रुपये

प्रदान किया जा रहा है। 10 हजार नये किसान उत्पाद संघो के माध्यम से सरकार किसान भाइयों के समृद्धि के द्वार खोल रही है। काला नमक, चावल एवं गुड़ महोत्सव के माध्यम से सरकार किसानों के उत्पाद को एक बड़ा अन्तराष्ट्रीय बाजार प्रदान कर रही है। भारत ऋषि और कृषि का देश रहा है, ऋषि हमें सेवा संस्कार के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण का पथप्रदर्शन एवं मार्गदर्शन करते रहें है। कृषि के माध्यम से भारत आत्मनिर्भरता की प्राप्ति की और अग्रसर है। किसानों की आय दोगुनी हो, यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। प्रगति के पथ समृद्धि और खुशहाली की उड़ान भर रहा है तो यह 'ऋषि और कृषि' के अद्‌भुत समन्वय का परिणाम है। आज उ0प्र0 का नेतृत्व एक यशस्वी ऋषि के हाथों में है जो अपनी सेवा, संस्कार, त्याग और तितिक्षा के माध्यमों से कृषकों को खेल से लेकर खलिहान तक, बीज से लेकर बाजार तक आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें है। यही तो हमारी ऋषि और कृषि संस्कृति की चिरंतन अभिव्यक्ति रही है।

युवा कल्याण

सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकारों में लूट खसोट से निराश युवा वर्ग पर उ0प्र0 की योगी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। यही कारण है भाजपा सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल में करीब चार लाख युवाओं को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां दी गई जबकि 2012 से 2017 में कुल 2.05लाख लोगों को ही सरकारी नौकरी दी गई थी। 50 लाख से अधिक एमएसएमई ईकाईयों को 2 लाख करोड़ से अधिक का ऋण प्रदान किया गया। जिससे भारी संख्या में रोजगार का सृजन हुआ। ओडीओपी योजना में 25 लाख, स्टार्टअप के द्वारा 5 लाख से अधिक रोजगार सृजन हुआ। नोएडा मे उत्तर भारत के प्रथम डेटा सेन्टर का निर्माण हो रहा है। आपदा में वापस लौटे करीब 40 लाख से अधिक कामगारों की स्किल मैपिंग कर रोजगार से जोड़ा गया।

शिक्षा का अभ्युदय

अखिल भारतीय सेवाओं की परीक्षा की तैयारी करने वाले प्रतिभावान युवाओं की मदद के लिए अभ्युदय योजना की शुरूआत की गई। योगी सरकार की इस निशुल्क कोचिंग योजना से एक महीने के अंदर ही करीब 10 लाख युवा जुड़ चुके हैं। आईएएस और आईपीएस में सफल अधिकारी सीधे उन्हें सफलता की राह दिखा रहे हैं। 135सरकारी स्कूलों का कायाकल्प कर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। तीन नए राज्य विश्वविद्यालय, 51 नए राजकीय विद्यालय, 28 इंजीनियरिंग कालेज, 194 राजकीय माध्यमिक विद्यालय, 26पालिटेक्निक, 79 आईटीआई, 248 इंटर कालेज, 771 कस्तूरबा विद्यालयों की स्थापना की गई। श्रमिकों के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के लिए 18 मण्डलों में अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गयी है। स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय मेरठ, आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ प्रारम्भ किये गए हैं।

मातृ शक्ति-सशक्तिकरण

महिलाओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष रूप से मिशन शक्ति अभियान चलाया गया। सभी 1535 थानों पर महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना में 23 लाख माताएं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में 6.94लाख बेटियां लाभान्वित हुई हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 1.52 लाख कन्याओं का विवाह हुआ एवं इसमें सहयोग राशि 35000 से बढाकर 51 हजार किया गया। बजट में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार मातृशक्ति के सशक्तिकरण का प्रयास कर रही है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील सरकार

वनटांगिया, जनजाति समाज जो आजादी के बाद से ही अपने बुनियादी अधिकारों का वाट जोह रहा था। उ0प्र0 की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उन्हे उनके बुनियादी अधिकारों से आच्छादित करके मुख्य धारा मे लाने का बड़ा काम किया। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के नारे के साथ पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के उत्थान के लिए सरकार विभिन्न योजनाऐं चला रही है। सीखो कमाओ, हुनर हॉट इत्यादि योजनाओं से अल्पसंख्यक वर्गो के विकास के लिए भी सरकार लगातार कार्यरत है।

भय मुक्त प्रदेश-हर अपराधी को जेल

कानून व्यवस्था के मोर्चे पर योगी सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया। यह भाजपा सरकार के दृढ़ संकल्प का ही नतीजा है कि 4 साल में संगठित अपराध प्रदेश के अंदर लगभग शून्य हो गया। बड़े-बड़े माफिया या तो प्रदेश के बाहर भाग गए या जेल के अंदर बंद हैं। करीब 137 अपराधी पुलिस की जवाबी कर्यवाही में मारे गए। रासुका में विरूद्ध माफियाओं द्वारा अर्जित रु01000 करोड़ से अधिक अवैध सम्पत्तियों का जब्तीकरण किया। पुलिस

की कार्यवाही से आम लोगों में अपराधियों का भय खत्म हुआ और कानून व्यवस्था पर भरोसा लौटा है।

विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर

उत्तर प्रदेश में पिछले 70 वर्षो मे कुल दो एयरपोर्ट संचालित थे। आज 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। 8 एयरपोर्ट अभी चल रहे हैं और 13 अन्य एयरपोर्ट और 7 हवाईपट्टी पर काम चल रहा है। 341 किलोमीटर लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे अंतिम चरण में है। 297 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस वे का कार्य प्रगति पर है। 91 किलो मीटर लम्बे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का कार्य प्रगति पर है। नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, एवं झांसी में मेट्रो रेल परियोजना का कार्य प्रगति पर है। नोएडा में फिल्म सिटी की स्थापना से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेगें। कानून व्यवस्था पर नियंत्रण और भ्रष्टाचारमुक्त शासन के कारण उत्तर प्रदेश की छवि बदलने से इन्वेस्टर समिट में 4.98 लाख करोड़ के प्रस्ताव आए थे उसमें से 3 लाख करोड़ का निवेश हो चुका है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने और पारदर्शिता बढ़ने से प्रदेश की आय में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

स्वास्थ्य सेवायें

2017 से पूर्व प्रदेश में मात्र 12 मेडिकल कॉलेज थे, और भाजपा की उ0प्र0 सरकार ने पिछले चार वर्षों में 30 नये मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया है। गोरखपुर, रायबरेली में एम्स शुरु हो चुका है। कोविड–19 महामारी ने जब उ0प्र0 मे दस्तक दी तो उस समय प्रदेश में कहीं भी टेस्टिंग की सुविधा नही थी, लेकिन प्रदेशा की सरकार ने त्वरित गति से 242 से अधिक टेस्टिंग लैब बनाने का कार्य किया। 64 हजार से अधिक कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किए गए। देश के सबसे बढ़े प्लाज्मा बैंक की स्थापना उ0प्र0 के लखनऊ में की गयी। उ0प्र0 3 करोड़ से अधिक कोविड जांच करने वाला देश का पहला राज्य बना। सरकार के प्रभावशाली कार्यक्रमों से पूर्वाचंल में दिमागी बुखार पर नियंत्रण हुआ और मृत्यु दर में 95 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गयी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुषमान भारत) में 1. 18 करोड़ परिवारों को रू0 05 लाख का बीमा कवर करने का कार्य किया गया।

बुन्देलखण्ड विशेष

बुन्देलखण्ड जहां गैर भाजपा सरकारों द्वारा वर्षों से उपेक्षित पड़ा हुआ था, वहीं हमारी सरकार बुन्देलखण्ड पर विशेष ध्यान देकर इसके चतुर्दिक विकास के लिए कृत संकल्पित हैं।

लगभग 1500 करोड़ रु0 से तैयार हो रहे बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे, डिफेंस कॉरीडोर और उसके आस–पास स्थापित हो रही हजारों आद्योगिक इकाईयां, बुन्देलखण्ड के विकास की नई कहानियां लिख रही हैं। वहीं जल संकट से जूंझ रहे बुन्देलखण्ड में हर–घर नल का जल योजना के माध्यम से सरकार ने इस संकट को दूर करने का संकल्प लिया है।

स्वयंसेवी संस्थानों एवं समाजसेवियों के प्रति आभार

लखनऊ की पावन भूमि पर सम्पन्न हो रही भारतीय जनता पार्टी उ0प्र0 की यह कार्यसमिति प्रदेश के सभी कोरोना योद्धाओं तथा नेतृत्व के आवहान पर प्रदेश के कोने–कोने से इस संकट काल में अपना सहयोग देने वाले समाज सेवियों, धार्मिक संगठनों, व्यापारिक समूहों, स्वयंसेवी संस्थाओं का अभिनन्दन करती है, और उनके प्रति अपना कृतज्ञ आभार प्रकट करती है।

भारत ने कोरोना की वैक्सीन दुनिया में सबसे पहले तैयार कर लोक कल्याण और विश्वबन्धुत्व से प्रेरित होकर दुनिया के अनेकों जरूरतमंद देशों को वैक्सीन की आपूर्ति कर एक नई मिशाल प्रस्तुत की है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन ड्राईव भारत में और मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भारत का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन ड्राईव उ0प्र0 में शुरू हो चुका है। और वैश्विक नेता के रूप में भारतवर्ष का गौरव दुनिया में बड़ रहा है।

उपरोक्त सभी उपलब्धियों के लिए यह सदन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का हर्ष ध्वनि से अभिनन्दन करता है। राजनीतिक प्रस्ताव को एमएलसी श्री लक्ष्मण आचार्य जी ने प्रस्तुत किया। प्रदेश मंत्री सुभाष यादव एवं श्री चंद्रमोहन सिंह ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

।। भारत माता की जय।।

भारतीय जनता पार्टी
प्रदेश कार्यसमिति बैठक
15 मार्च, 2021 | उत्तर प्रदेश

प्रदेश कार्यसमिति बैठक
15 मार्च, 2021 | उत्तर प्रदेश

सुलतानपुर जिले की कुड़वार ग्राम सभा

जौनपुर में जिला पंचायत वार्ड प्रभारियों एवं संयोजकों की बैठक

जौनपुर के ग्राम गहोरा में बूथ क्र0 319 की बूथ समिति की बैठक

धामपुर में स्वागत एवं 101 फीट ऊँचे तिरंगे का ध्वजारोहण

बिजनौर में मा0 प्रदेश अध्यक्ष जी का भव्य स्वागत

ग्राम चौपाल

पचास हजार गावों में लगी भाजपा चौपाल

10 से 18 मार्च तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने किया गांवों में संवाद

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने ग्राम चौपाल लगाकर मंथन किया। प्रदेश के 50,000 गावों तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्रदेव सिंह, महामंत्री संगठन श्री सुनील बंसल सहित अन्य पदाधिकारियों व सांसद एवं विधायकों ने चुनावों में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए 5 से 10 मार्च तक ग्राम पंचायत वार बैठकें आयोजित की। इसके बाद सभी प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद10 से 18 मार्च तक ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया।

इन ग्राम चौपालों पर जाकर भाजपा ने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। इनमें विधायक, सांसद, पालिका अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री एवं जिले के पदाधिकारी मौजूद रहे। ग्राम चौपालों के जरिए बीजेपी लगभग 50,000 गांवों तक पहुंची। बीजेपी पंचायत चुनाव प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने कमल ज्योति को बताया कि हर ग्राम चौपाल में भाग लेने वाले ग्रामीणों की संख्या बीजेपी का उत्साह बढ़ा रही है। गावों की चौपाल में भाजपा के जनसंवाद में ग्रामीणों ने खुलकर भाजपा सरकार के कराये गये कार्यो को उत्साह से लिया। केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को लेकर गांवों की जनता उत्साहित हैं। उन्हें दोनों सरकारों पर भरोसा है और उम्मीद है कि योग्य प्रत्याशी ही जनता का कल्याण कर सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने गाजीपुर, मुरादाबाद, सुल्तानपुर सहित दर्जनों ग्राम चोपाल के कार्यक्रमों में भाग लिया। गावों की चौपाल में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा और बसपा दोनों वंशवाद चलाते रहे हैं और अपने वंश को आगे बढ़ाने के लिए काम किए हैं. लेकिन, योगी सरकार ने चार लाख लोगों को नौकरियां दी अपने लिए एक मकान तक नहीं बनवाया.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जो भी फैसले राज्य में हुए हैं वो गरीबों के हित में हुए हैं उनकी खुशहाली के लिए हुए हैं। कानून व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त होने के कारण पूरा राज्य खुशहाल है। योगी और मोदी जी के कार्यक्रमों की योजना गांव–गांव तक लेकर जाने के लिए पार्टी कटिबद्ध है। 4 साल के अंदर सरकार के किए हुए कार्यों को हम बताएंगे। योगी जी ने जिस तरह से सरकार चलाई है। चाहे वो नौकरी देने की बात हो, आवास, कन्या विवाह, बच्चों को पुस्तकें, जूते और मोजे देने का काम हो आमजन को लाभ पहुंच रहा है।

गांवों की चौपालों में कार्यक्रमों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किसी न किसी भाजपा बूथ अध्यक्ष के घर पर मिट्टी के बर्तन और पत्तल में किया भोजन किया।

ग्राम चौपालों को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के नेताओं, विधायकों से लेकर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देकर जोश भरा। उन्होंने योजनाओं का बखान कर जन–जन तक प्रचार–प्रसार करने की कार्यकर्ताओं से अपील की। विपक्ष पर निशाना साधते हुए हल्ला बोला। कहा कि बंगाल में जीत का शंखनाद यहां से ही कार्यकर्ताओं ने कर दिया है। उन्होंने तंबौर, हरगांव और लहरपुर विधानसभाओं में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

बता दें कि, भाजपा ने फैसला किया है कि वह आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 3051 जिला पंचायत वार्ड प्रत्याशी घोषित करेगी। इसके साथ ही 826 ब्लाक प्रमुख पद पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। पंचायत चुनाव में वार्ड स्तर पर हर मतदाता से व्यक्तिगत सम्पर्क कर मोदी–योगी सरकार की उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाएगी। इसके लिये बूथ स्तर पर 25 और 26 मार्च को कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

सरकार की उपलब्धियां

भारत में अप्रैल से दिसंबर के दौरान आया 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई

वित्त वर्ष 2020–21 के पहले 9 महीने में एफडीआई इक्विटी का प्रवाह 40 फीसदी बढ़ा (51.47 अरब अमेरिकी डॉलर)

भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में सुधार, निवेश प्रक्रिया सरल और बिजनेस करना आसान करने जैसे उठाए गए कदमों का ही परिणाम है कि देश में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह बढ़ा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में निम्नलिखित रुझानों से साफ है कि वैश्विक निवेशकों के लिए भारत निवेश का एक प्रमुख स्थान बन गया हैरू

- अप्रैल से दिसंबर, 2020 के दौरान 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई देश में आया है। यह किसी वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में आया सबसे अधिक एफडीआई है। वित्त वर्ष 2019–20 की इसी अवधि की तुलना में एफडीआई 22 फीसदी बढ़ा है। इस दौरान 55.14 अरब डॉलर का एफडीआई आया था।
- वित्त वर्ष 2020–21 के पहले 9 महीनों के दौरान इक्विटी के जरिए आने वाले एफडीआई में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2019–20 की इसी अवधि में इक्विटी के जरिए 36.77 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई आया था।
- अकेले वित्त वर्ष 2020–21 की तीसरी तिमाही में 26.16 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया है, जो कि 2019–20 में आए एफडीआई 19.09 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 37 फीसदी ज्यादा है।
- इसी तरह केवल दिसंबर, 2020 में 9.22 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया है, जो कि दिसंबर, 2019 के 7.46 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 24 फीसदी ज्यादा है।

दरअसल, भारत के आर्थिक विकास में एफडीआई एक अहम भूमिका रही है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। केंद्र सरकार का प्रयास रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति लागू करे। एफडीआई नीति को निवेशकों के लिए और अधिक अनुकूल बनाने और निवेश के रास्ते में आने वाली नीतिगत अड़चनों को दूर करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

पिछले साढ़े छह साल में इस दिशा में उठाए गए कदमों का परिणाम है कि देश में एफडीआई प्रवाह लगातार रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ता जा रहा है। एफडीआई क्षेत्र में लगातार उदारीकरण और सरलीकरण की नीति के तहत सरकार ने विभिन्न सेक्टर में एफडीआई से संबंधित सुधार किए हैं।

————————

कोवैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के तीसरे चरण की प्रभावकारिता 81 प्रतिशत

भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) के साथ साझेदारी में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा विकसित कोवैक्सीन के तीसरे चरण के परिणामों ने कोविड–19 को रोकने में 81 प्रतिशत की अंतरिम टीका प्रभावकारिता दिखाई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) व भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) द्वारा नवंबर, 2020 के मध्य में संयुक्त रूप से शुरू किए गए तीसरे चरण का परीक्षण 21 स्थानों पर कुल 25,800 व्यक्तियों में किया गया था। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार विश्लेषण से इस टीके की 81 प्रतिशत की अंतरिम प्रभावकारिता अन्य वैश्विक अग्रणी टीकों के बराबर है।

गौरतलब है कि कोवैक्सीन पहली कोविड–19 वैक्सीन है जिसे पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि 8 महीने से भी कम समय में पूरी तरह से स्वदेशी कोविड–19 वैक्सीन की शुरू से अंत तक की यात्रा विषमताओं से लड़ने तथा वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय में बड़ा नजर आने में 'आत्मनिर्भर भारत' की अपार ताकत को प्रदर्शित करती है। यह वैश्विक वैक्सीन महाशक्ति के रूप में भारत के उद्भव का प्रमाण भी है।

सरकार की उपलब्धियां

स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 8 मार्च को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 26 फरवरी, 2021 तक 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं हैं और इन खातों (91,109) में महिला उद्यमियों के लिए 20,749 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी जा चुकी है।

इस योजना की शुरुआत 5 अप्रैल, 2016 को की गई थी और इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निचले स्तरों पर आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस योजना का उद्देश्य संस्थागत ऋणों का फायदा ऐसे वर्गों तक पहुंचाना है, जहां इनकी पहले पहुंच नहीं थी और इनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमी हैं, ताकि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में हिस्सेदारी के लिए उन्हें भी अवसर प्रदान किया जा सके।

इस योजना का उद्देश्य 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बैंक ऋणों को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) की प्रत्येक शाखा से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कम से कम एक सदस्य और कम से कम एक महिला उद्यमी को ऋण की सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे हरित क्षेत्र उद्यमों की स्थापना कर सके।

मुद्रा योजना में 68 प्रतिशत ऋण खाते महिला उद्यमियों से संबंधित

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत से लेकर 26 फरवरी, 2021 तक महिला उद्यमियों के 68 प्रतिशत यानी 19.04 करोड़ खातों में 6.36 लाख करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी जा चुकी है। इस योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को गैर–कॉरपोरेट, गैर–कृषि लघुध्सूक्ष्म उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक की ऋण राशि उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। इन ऋणों को पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है और ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, सूक्ष्म वित्त संस्थान और गैर–बैंकिंग वित्तीय निगमों द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण को शिशु, किशोर और तरुण के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ताकि लाभार्थी सूक्ष्म इकाईध्उद्यमी की वृद्धि के चरणदृविकास एवं वित्त आवश्यकताओं की पहचान की जा सके और उन्हें विकास के अगले चरणों के लिए आगे समर्थन दिया जा सके।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 41.93 करोड़ खातों में से 23.21 करोड़ खाताधारक महिलाएं

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 24 फरवरी, 2021 तक कुल 41.93 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं जिनमें से 23.21 करोड़ खाते महिलाओं से संबंधित हैं। यह योजना 28 अगस्त, 2014 को शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को कम से कम एक बैंक खाते की आधारभूत सुविधा, वित्तीय साक्षरता, ऋण तक पहुंच, बीमा एवं पेंशन सुविधा उपलब्ध कराना है।

7,500वां जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये शिलांग के पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थान में 7,500वां जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया। इन केंद्रों पर गुणवत्ता वाली दवाइयां उचित मूल्य पर उपलब्ध होती हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का उद्देश्य सस्ते दाम पर अच्छी दवाइयां उपलब्ध कराना है। वर्ष 2014 में इन केंद्रों की संख्या 86 थी। इस योजना के तहत आज इन स्टोर की संख्या 7,500 पर पहुंच गई है। देश के सभी जिलों में इस तरह के स्टोर हैं।

वित्त वर्ष 2020–21 में चार मार्च तक इन केंद्रों द्वारा दवाओं की बिक्री से नागरिकों को करीब 3,600 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इन केंद्रों पर दवाएं बाजार मूल्य से 50 से 90 प्रतिशत सस्ती मिलती हैं।

————

सरकार की उपलब्धियां

पीएसएलवी-सी51 के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया-1, 18 अन्य उपग्रहों को किया गया प्रक्षेपित

भारत के पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) सी–51 के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया–1 और 18 अन्य उपग्रहों का 28 फरवरी को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया गया। यह इसरो का इस साल का पहला मिशन है। पीएसएलवी–सी51 ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्च पैड से करीब 10 बजकर 24 मिनट पर उड़ान भरी और सबसे पहले करीब 17 मिनट बाद प्राथमिक पेलोड अमेजोनिया–1 को कक्षा में स्थापित किया।

करीब डेढ़ घंटे के अंतराल के बाद अन्य उपग्रहों को 10 मिनट में एक के बाद एक करके प्रक्षेपित किया गया। इन उपग्रहों में चेन्नई की स्पेस किड्ज इंडिया (एसकेआई) का उपग्रह भी शामिल है, जिस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर उकेरी गई है। एसकेआई का सतीश धवन उपग्रह (एसडी–सैट) सुरक्षित डिजिटल कार्ड प्रारूप में भगवद्गीता को भी अपने साथ लेकर गया है।

एसकेआई ने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर पहल और अंतरिक्ष क्षेत्र के निजीकरण के लिए एकजुटता और आभार व्यक्त करने के लिए अंतरिक्ष यान के शीर्ष पैनल पर मोदी की तस्वीर उकेरी गई है।

इसरो की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटिड (एनएसआईएल) के लिए भी यह खास दिन है। पीएसएलवी सी51ध्अमेजोनिया–1 एनएसआईएल का पहला समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। 637 किलोग्राम वजनी अमेजोनिया–1 ब्राजील का पहला उपग्रह है जिसे भारत से प्रक्षेपित किया गया। यह राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (आईएनपीई) का ऑप्टिकल पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है।

जिन अन्य 18 उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया गया है, उनमें से चार उपग्रह इसरो के भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र और 14 उपग्रह एनएसआईएल के हैं।

———

प्रधानमंत्री ने एनएसआईएल और इसरो को दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएसएलवी – सी51/एमेजोनिया–1 मिशन के पहले समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण की सफलता पर एनएसआईएल (न्यूस्पेस इंडिया लिमिटिड) और इसरो को बधाई दी। एक ट्वीट में श्री मोदी ने कहा कि पीएसएलवी–सी51ध्एमेजोनिया–1 मिशन के पहले समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण की सफलता पर एनएसआईएल और इसरो को बधाई। इससे देश में अंतरिक्ष सुधारों के एक नए युग का सूत्रपात होता है। 18 को–पैसेंजर्स में चार छोटे उपग्रह शामिल थे जो हमारे युवाओं के जोश और उनके नवप्रवर्तनशील होने को प्रदर्शित करता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएसएलवी–सी51 द्वारा ब्राजील के एमेजोनिया–1 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर ब्राजील के राष्ट्रपति श्री जायर बोलसोनारो को भी बधाई दी। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि पीएसएलवी–सी51 द्वारा ब्राजील के एमेजोनिया–1 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो को बधाई। यह हमारे अंतरिक्ष सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है एवं ब्राजील के वैज्ञानिकों को मेरी शुभकामनाएं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के. सिवन ने मिशन के सफल होने की घोषणा की और बताया कि सभी 19 उपग्रहों को उनकी कक्षाओं में स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कि आज का दिन पूरी इसरो टीम के लिए एक बड़ा दिन है और पीएसएलवी–सी51 भारत के लिए एक विशेष मिशन है। मैं अमेजोनिया–1 और 18 अन्य उपग्रहों को सटीकता से उनकी कक्षा में स्थापित करने को लेकर इसरो टीम को बधाई देना चाहता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं।

———

वैचारिकी

भारतीय विचारधारा सहयोग एवं परस्परपूरकता पर आधारित

दीनदयाल उपाध्याय

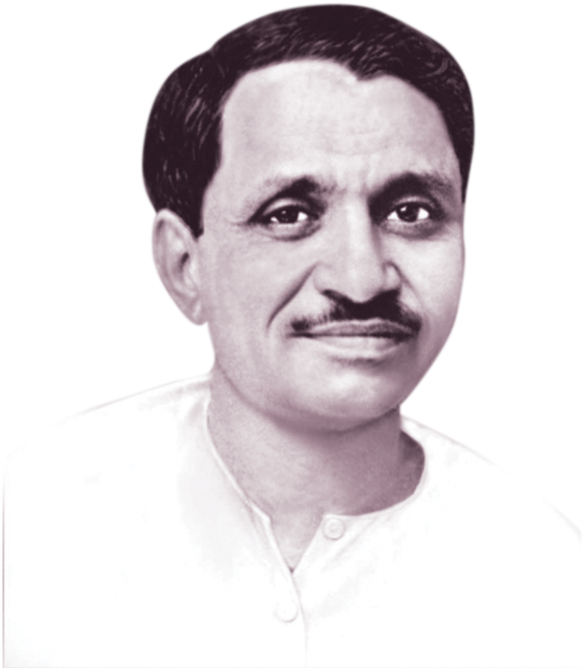

जीवित रहने की वृत्ति के कारण ही एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को हड़पना चाहता है। यह वृत्ति हमारे जीवनादर्श में नहीं है।

भारत और पश्चिम के विचारों में मूलभूत अंतर है हम समाज की अनेक इकाइयों में सामंजस्य मानकर चलते हैं और पश्चिम में विरोध को महत्त्व दिया गया है उनकी कल्पना है कि संपूर्ण मानव जीवन संघर्षमय है। सृष्टि इसी संघर्ष के आधार पर टिकी हुई है। उनका समूचा जीवन–दर्शन प्रतिस्पर्धा पर आधारित है। भारत की सारी विचारधारा सहयोग और परस्परपूरकता पर आधारित है। हम प्रत्येक सामाजिक इकाई को उसकी पूर्णता में देखते हैं, पर वे उसे पूर्णता में नहीं देखते। हम व्यक्ति के शरीर को भौतिक आवश्यकताओं का पुंज नहीं मानते। हमने उनको बौद्धिक, मानसिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को भी महत्त्व दिया है। परंतु पश्चिम में अधिकांश लोग शरीर की भौतिक आवश्यकताओं के बीच संघर्ष की स्थिति मानते हैं। इसमें ये भौतिक आवश्यकताओं को प्रमुखता प्रदान करते हैं। यह सत्य है कि व्यक्ति और समाज में संघर्ष के क्षण आते हैं, परंतु यह स्थिति स्वाभाविक नहीं, असामान्य है यह स्थिति धर्म की नहीं, यह तो विकृति है।

इस संघर्ष की मान्यता के कारण पश्चिम में दो प्रकार के चिंतक मिलते हैं। एक तो वे हैं, जो व्यक्ति को प्रमुख मानते हैं, समाज को गौण मानकर चलते हैं, वे समाज को वहीं तक मानते हैं, जहां तक वह व्यक्ति के हितों की रक्षा करता है।

दूसरे प्रकार के विचारक समाज को श्रेष्ठ और व्यक्ति को गौण मानते हैं। ये व्यक्ति की सत्ता को एकदम समाप्त कर देना चाहते हैं। ये मानते हैं कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समाज का हित साथ–साथ नहीं चल सकते। दोनों में से हमें एक हो चुनना होगा।

डार्विन के 'शक्तिशाली ही जीता है' के सिद्धांत के आधार पर उन्होंने अपने जीवन की रचना की। इसीलिए वहां केवल अपने स्वार्थ के लिए लड़ाई और होड़ है। प्रत्येक एक–दूसरे को अविश्वास की दृष्टि से देखता है। वहां दो व्यक्ति आपस में इसलिए मिलते हैं कि उनके समान स्वार्थ हैं। पूंजीपति एक साथ है तो मजदूर एक साथ। राष्ट्र के संबंध में भी स्वार्थ की भूमिका छिपी रहती है। वे समान स्वार्थ के व्यक्ति समूह को ही राष्ट्र मानते हैं।

पश्चिम में प्रत्येक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहता है। यहां पति–पत्नी के अधिकारों की लड़ाई चलती है। प्रेम विवाह होते हैं, फिर भी संघर्ष बना रहता है। हमारे यहां विवाह मां–बाप कराते हैं, फिर भी संघर्ष नहीं होता है। जहां सचमुच का प्रेम है, वहां संघर्ष हो ही नहीं सकता। हमारी प्रेरणा अधिकारों की नहीं, कर्तव्य की है। हम कर्तव्य को आधार लेकर चलते हैं। हम सेवा का विचार करते हैं, अपनी एकात्मकता और सहिष्णुता का अनुभव करते हैं। हम दूसरे की बात को भी सच्ची मानकर सुनते हैं।

धर्म संघर्ष से नहीं सामंजस्य से उत्पन्न होता है। एक–दूसरे के जीवन से एकात्म होना ही धर्म होता है। महाभारत में धर्म–अधर्म की बड़ी सरल व्याख्या की गई

है। मम यह अधर्म है। 'न मम' यही धर्म है। मेरा कुछ नहीं, सब तेरा है, यही धर्म है। सब कुछ मेरा है, यही अधर्म है। इससे अहंकार जाग्रत् होता है। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति स्वयं को केंद्र मानकर संपूर्ण समाज का विचार करता है।

यदि संसार को चलाना है तो 'न मम' का विचार करना होगा। इसी को अपने यहां 'यज्ञ' कहा गया है। यज्ञ का अर्थ हवनकुंड नहीं। उसमें आहुति डालना यह यज्ञ का प्रतीक है, यह यज्ञ भाव जगाने की एक पद्धति है। यह संस्कार डालने का एक तरीका है। इसीलिए आहुति के समय कहते हैं कि यह मेरा नहीं देवता का है। जो प्रसाद में मिलता है, उसे ही हम ग्रहण करते हैं। यह त्याग का भाव है। मैं अपने लिए नहीं, दूसरे के लिए हैं, यही अपनी जीवनदृष्टि है।

व्यक्ति की स्वतंत्रता और समाज के हित में दोनों में मेल होना आवश्यक है, व्यक्ति को स्वतंत्रता मिली है। उस पर कोई रोक नहीं है, पर यदि वह स्वतंत्रता का उपयोग अपने लिए ही करेगा तो गलत होगा। व्यक्ति को अपने लिए ही नहीं समाज के लिए भी जीना चाहिए। यदि ऐसा हुआ तो वह समाज की सेवा का प्रयत्न करेगा।

हम रहें, हमारा राष्ट्र रहे और बाकी के लोग समाप्त हो जाएं, यह कल्पना अत्यंत घातक है। हम अपने राष्ट्र का वैभव चाहते हैं, पर यदि उस वैभव को कोई देखनेवाला न रहा तो हमारा वैभव किस काम का?

स्वयं जीवित रहने की इस वृत्ति के कारण ही एक राष्ट्र को हड़पना चाहता है, यह वृत्ति हमारे जीवनादर्श में नहीं है। हम न तो प्रकृति का शोषण करते हैं और न राष्ट्र का ही। हम गाय को मां मानते हैं। उसका दूध प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। गंगा को मां मानते हैं, उसका जल पीकर अपने को धन्य समझते हैं। हमारे यहां मां–बहिनें घर का काम करती हैं। तो पश्चिम के लोग यह मानते हैं कि हम स्त्रियों का शोषण करते हैं। यह भाव गलत है। मां पुत्र की सेवा करती है, उसका शोषण नहीं होता है। यह मां की ममता है। बहन का स्नेह है, जिसके कारण वह कार्य करती है। हम ज्ञानी होंगे और सारी दुनिया मूर्ख रहेगी, ऐसा हम नहीं सोचते। हमने अपने समक्ष विश्व को आर्य बनाने का, श्रेष्ठ बनाने का सिद्धांत रखा। अपने ज्ञान को छिपाया नहीं, समूचे विश्व में फैलाया है। संसार के सब लोग मानव बने, मानवोचित व्यवहार करें। यही हमारे जीवन का मूलभूत विचार रहा है।

समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एकात्मकता होनी चाहिए। ऐसा होने से उसका व्यक्तित्व नष्ट नहीं होगा, अपितु और भी विकसित होगा। व्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त नहीं होगी, समाज की विराटता में मिलकर और भी विराट हो जाएगी। यदि व्यक्ति ने अपने को समाज से अलग माना तो संघर्ष अवश्य ही खड़ा होगा। वास्तव में व्यक्ति और समाज के बीच में कोई संघर्ष नहीं। यदि संघर्ष आया तो यह दुरूख का ही कारण होता है। हमारे यहां ऐसी कोई संघर्ष कल्पना नहीं है।

आज संसार के अन्य लोग भी समझ रहे हैं कि मानव की एकता आवश्यक है। मनुष्य–मनुष्य के बीच की यह लड़ाई बंद होनी चाहिए, ऐसा सब लोग सोच रहे हैं। पर शायद उन्हें यह पता नहीं कि इस एकता के लिए कौन सा तत्त्व ज्ञान है, जो इसके आधार के रूप में प्रतिष्ठित होगा। हम उसे जानते हैं कि वह तत्वज्ञान कौन सा है? हमें वह प्राप्त करना है। हजारों वर्षों से हम उसे लेकर चले रहे हैं। यदि हम उस तत्त्वज्ञान के साथ चलते रहेंगे तो यह पददलित, हेयराष्ट्र–जीवन एक दिन समाप्त होकर रहेगा।

संसार में हम कुछ करने के लिए पैदा हुए हैं। यह सत्यभाव हम पहचानें। यह सत्यशक्ति के आधार पर ही टिक सकता है, यह भी हम समझे और उसी के आधार पर सारे विद्वेष को समाप्त कर विश्व में सामंजस्य स्थापन का पुण्य कार्य संपन्न करने का संकल्प लें। समूचे समाज में यज्ञभाव उत्पन्न करें जैसे समुद्र का पानी वाष्प बनकर बादल बनता है, फिर बरसकर उसी के पास आ जाता है। वैसा ही भाव हम भी प्राप्त करना प्रकृति से सीखें। प्रकृति के इस भाव के आधार पर ही सृष्टि टिकी है। यदि यह भाव हमारे जीवन में भी आया तो हम देखेंगे कि मानव जीवन में अवश्यमेव शांति आएगी और हमारा तत्त्वज्ञान विश्व की अस्थिरता को समाप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

–संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : अलीगढ़ (जून 22, 1962)

टाउन हाल कार्यक्रम

असम कोई भूमि का टुकड़ा–भर नहीं है यह सांस्कृतिक धारा प्रवाह है: अमितशाह

भारत के गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने गुवाहाटी, असम में आयोजित टाउन हाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि, प्रदेश में विकास की गति को और तेज करने, असम को बाढ़ मुक्त बनाने और अवैध घुसपैठ को खत्म करने के लिए पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि, हमारे पास चुनाव लड़ने के लिए पांच आधार स्तंभ हैं – सुरक्षा एवं सम्मान, संस्कृति एवं विरासत, कनेक्शन एवं समृद्धि, शांति एवं चर्चा और आत्मनिर्भरता। ये सभी स्तंभ भविष्य में असम को आगे ले जाएंगे।

श्री शाह ने गुवाहाटी में ञ्वहमेपअमॊउ सोशल मीडिया वॉरियर्स, युवाओं और प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक में असम में सेल्फी विद डेवलपमेंट (SelfieWithDevelopment) कार्यक्रम लान्च किया जो बदलते असम की कहानी को रेखांकित करती है। विगत पांच वर्षों में हमने ऐसी व्यवस्था बनाई है कि अब असम में कोई भी घुसपैठ करने से पहले कई बार सोचता है। घुसपैठ रोकने के लिए पुलिस और सीमा सुरक्षा बल की मुस्तैदी बढ़ाई गई है। हमने काजीरंगा को भी घुसपैठ से मुक्त किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और पांच साल की भाजपा सरकार में असम उग्रवाद से भी मुक्त होने की राह पर आगे बढ़ गया है। पिछले पांच वर्षों में अलग–अलग 10 समूहों के लगभग 2,000 युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। ये बदलते असम की कहानी है। टाउन हाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि आज मेरे लिए बहुत सौभाग्य का दिन है कि इस टाउन हाल के माध्यम से मैं असम के युवाओं के साथ, हमारे साइबर योद्धाओं के साथ बातचीत कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि असम कोई भूमि का टुकड़ा–भर नहीं है, यह सदियों से चला आ रहा

सांस्कृतिक धारा प्रवाह है। ये जियो पालिटिकल राज्य नहीं है बल्कि यह हजारों वर्षों की संस्कृति को धीरे–धीरे संजोकर सांस्कृतिक नदी का प्रवाह है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि असम में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस एवं बदरुद्दीन अजमल के गठबंधन के बीच में लड़ाई है। ये कोई ट्राई–एंगल नहीं है। कांग्रेस का बदरुद्दीन से समझौता है। यह असम की जनता को तय करना है कि इनमें से श्रीमंत शंकरदेव के स्वप्न को कौन पूरा कर पाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि यहां बैठे सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि हम असम की जनता का मार्गदर्शन करें कि आने वाली पीढ़ी के लिए कैसा असम चाहिए और जैसा चाहिए, वैसा असम कौन बना सकता है। अगर आप गहराई से सोचेंगे तो ये चुनाव आपको, मुझे और असम की जनता को एक निश्चित लक्ष्य तक ले जाने वाला चुनाव बनेगा जो स्वर्णिम असम के स्वप्न को पूरा करेगा।

श्री शाह ने कहा कि हमारे पास पांच आधार जिस पर हम चुनाव लड़ते हैं। इसमें सुरक्षा और सम्मान (Security And Respect), संस्कृति और विरासत (Culture and Heritage), कनेक्शन और समृद्धि (Connection and Prosperity), शांति और चर्चा (Peace and Discussion) और आत्मनिर्भरता (Self Reliance) है। ये सभी स्तंभ भविष्य में असम को आगे ले जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भूपेन हजारिका सेतु विकास का एक प्रतीक है। असम वर्षों से इसकी राह देखता आया था, ये असम के अरमानों का पुल है, ये असम के लोगों की आशाओं का पुल है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्वोत्तर में देश का करीब साढ़े 8 प्रतिशत भू–भाग है। दूसरे देशों की भी सीमाएं इसके साथ मिलती है, इसलिए देश की सुरक्षा इसके साथ जुड़ी हुई है। असम देश के व्यापार का केंद्र भी बन सकता है। भारतीय जनता पार्टी ने विकास एक विजन दिया था जिसमें हमने असम के इंफ्रास्ट्रक्चर का जाल बुनने का काम किया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने असम में केवल छः साल में 6 पुल बनाने का काम किया है। हमने असम में 20,000 किमी से ज्यादा सड़कें बनाई हैं। घर–घर बिजली पहुंचाई है। हमने पांच वर्षों में असम को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार दी है।

श्री शाह ने कहा कि आंदोलन मुक्त असम भी हमारा बहुत महत्वपूर्ण वादा रहा है। विगत पांच वर्षों में असम आंदोलन–मुक्त प्रदेश की राह पर चल पड़ा है। कितने साल आंदोलन चले, असम के न जाने कितने युवा इसमें शहीद हुए। इसके कारण असम का विकास ठप्प पड़ गया। कैसी विडंबना है कि आज असम के युवाओं पर गोली चलाने वाली कांग्रेस पार्टी ही असम की अस्मिता की बात करती है। उन्होंने कहा कि हमने असम को घुसपैठियों से मुक्त कराने का भी वादा किया था। विगत पांच वर्षों में हमने ऐसी व्यवस्था बनाई है कि अब असम में कोई भी घुसपैठ करने से पहले कई बार सोचता है। घुसपैठ रोकने के लिए पुलिस और सीमा सुरक्षा बल की मुस्तैदी बढ़ाई गई है। हमने काजीरंगा को भी घुसपैठ से मुक्त किया है। अब असम में गैंडों का शिकार लगभग–लगभग बंद हो गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में और पांच साल की भाजपा सरकार में असम उग्रवाद से भी मुक्त होने की राह पर आगे बढ़ गया है। पिछले पांच वर्षों में अलग–अलग 10 समूहों के लगभग 2,000 युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। ये बदलते असम की कहानी है। पिछले पांच वर्षों में असम शांति और विकास के बल पर नया इतिहास बना रहा है। इस दौरान कोई बड़ी उग्रवादी घटना भी असम में नहीं होने दी गई है।

करीमगंज, असम जन-सभा

असम में एक ही मुद्द विकास,तेज विकास निरंतर विकास, सबका विकास: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने असम के करीमगंज में आयोजित एक विशाल जन–सभा को संबोधित किया और प्रदेश में विकास की गति को और तेज करने एवं असम को देश का एक विकसित प्रदेश बनाने के लिए राज्य की जनता से पिछली बार से भी अधिक सीटों पर जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो हर देशवासी वीर लचित बोरफुकन से लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस तक, अपने राष्ट्र निर्माताओं को नमन कर रहा है। यह सुखद संयोग ही है कि आज असम में अपनी चुनावी सभाओं का आरंभ में बराक वैली से कर रहा हूं। तीन दशक पहले जब देश में भाजपा का उतना विस्तार नहीं हुआ था, तब भी बराक वैली ने 15 में से 9 सीटें भाजपा को दी थीं। इन वर्षों में भाजपा आपके बीच रहकर आपकी आवाज बनती रही है।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकारों और उनकी नीतियों ने असम को सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक और राजनीतिक हर तरह से नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस सरकारें बराक वैली के लिए डिविजनल कमिश्नर गुवाहाटी से चलाती रहीं, ये कितना बड़ा अन्याय था। हमारी सरकार ने इस अन्याय को दूर किया। आज असम में विकास की लहर है, विश्वास की लहर है। आज असम में शांति का विश्वास है, समृद्धि का विश्वास है। आज असम में एक ही मुद्दा है– विकास, तेज विकास, निरंतर विकास, सबका विकास।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने असम की जनता से पूछते हुए कहा कि बरसों से अटके हुए भारत के सबसे लंबे ब्रिज– भूपेन हजारिका सेतु का निर्माण किसने पूरा करवाया? भाजपा की ही सरकार ने। असम को मेघालय से जोड़ने के लिए इससे भी बड़े धुबरी–फूलबारी ब्रिज का निर्माण कौन करवा रहा है? भाजपा की सरकार। देश का सबसे लंबा रिवर रोपवे असम को किसने दिया? भाजपा की सरकार ने। किसने बरसों से अधूरे पड़े भारत के सबसे लंबे रेल–रोड ब्रिज– बोगीबील ब्रिज का काम पूरा करवाया? भाजपा की सरकार ने।

करीमगंज, असम जन-सभा

श्री मोदी ने कहा कि केवल फिजिकल कनेक्टिविटी ही नहीं, बल्कि सौहार्द एवं संस्कृति की कनेक्टिविटी को भी बीते पांच वर्षों में मजबूत किया गया है। भुवन तीर्थ शिव मंदिर, कासाकांटी देवी मंदिर, सिद्धेश्वर शिवबारी, शोन बील, 1857 की सिपाही क्रांति का प्रतीक॔त डमउवतपंस, ये सब बराक वैली की पहचान हैं। कांग्रेस ने असम को हर प्रकार से डिवाइड (Divide) कर के रखा, भाजपा ने असम को हर प्रकार से कनेक्ट (Connect) करने का प्रयास किया। बराक–ब्रह्मपुत्र, पहाड़–भैयाम– हर क्षेत्र का एक समान विकास। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास– यही भाजपा का विकास मंत्र है। यहां जो चाय बागानों में काम करने वाले लोग हैं, उनके विकास के लिए असम की सरकार विशेष प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की भाजपा सरकार ने लाखों भूमिहीन साथियों को पट्टे दिए हैं, बच्चों की पढ़ाई के लिए अनेकों नए स्कूल खोले हैं और ये काम लगातार चल रहा है। टी गार्डन में काम करने वाली गर्भवती महिलाओं को हजारों रुपए की मदद दी जा रही है, ताकि वो खुद की और बच्चों की सेहत का ध्यान रख सकें। हाल में केंद्र सरकार ने बजट में चाय बगान में काम करने वाले साथियों के लिए 1000 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान किया है।

श्री मोदी ने कहा कि आज एक तरफ भाजपा की नीति है, भाजपा का नेतृत्व है और भाजपा की नेक नीयत है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस है जिसके पास न तो नेता है, न ही नीति है और न ही कोई विचारधारा। आज कांग्रेस इतनी कमजोर हो गई है कि चुनाव में सफलता के लिए किसी भी हद तक जा सकती है, किसी के साथ भी हाथ मिला सकती है। ये विचित्र स्थिति आज पूरा देश देख रहा है। पश्चिम बंगाल में जिन वामपंथियों के साथ आज कांग्रेस लाल–सलाम कर रही है, उन्हीं के साथ केरल में उसकी नूरा–कुश्ती चल रही है। असम में कांग्रेस किसके भरोसे मैदान में है? जिन लोगों की राजनीति से यहां के कांग्रेस कार्यकर्ता दशकों से लड़ रहे हैं, जूझ रहे हैं, आज कांग्रेस का हाथ उसी ताला–चाबी को लेकर घूम रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां असम में भी धोखे और भ्रम का एक वीडियो मैंने देखा है। आपने भी जरूर देखा होगा। इस वीडियो में यहां के कांग्रेस के नेता आपस में मंच पर ही झूठ का घोषणापत्र बना रहे हैं। घोषणापत्र बनाने में बहुत मेहनत लगती है। इस वीडियो में वो अपनी कलई, अपना झूठ खुद खोल देते हैं। वे कहते हैं कि सिर्फ घोषणा कर दो, घोषणाएं पूरा करने के लिए नहीं होती हैं। ये कांग्रेस के नेता खुद कबूल कर रहे हैं। यही काम इन्होंने देशभर में किया है।

आजादी का अमृत महोत्सव

यूपी से अंडमान तक India@75: नरेन्द्र मोदी

75 साल शाश्वत परंपरा, स्वाधीनता संग्राम की परछाई और आजाद भारत की गौरवान्वित प्रगति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मार्च 2021 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से 'पदयात्रा' (फ्रीडम मार्च) को झंडी दिखाई तथा 'आजादी का अमृत महोत्सव' India@75 के पूर्वावलोकन कार्यकलापों का उद्घाटन किया। अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि, आज जब मैं सुबह दिल्ली से निकला तो बहुत ही अद्भुद संयोग हुआ। अमृत महोत्सव के प्रारंभ होने से पहले आज देश की राजधानी में अमृत वर्षा भी हुई और वरुण देव ने आशीर्वाद भी दिया।

हम सभी का सौभाग्य है कि हम आजाद भारत के इस ऐतिहासिक कालखंड के साक्षी बन रहे हैं। आज दांडी यात्रा की वर्षगांठ पर हम बापू की इस कर्मस्थली पर इतिहास बनते भी देख रहे हैं और इतिहास का हिस्सा भी बन रहे हैं। आज आजादी के अमृत महोत्सव का प्रारंभ हो रहा है, पहला दिन है। अमृत महोत्सव, 15 अगस्त 2022 से 75 सप्ताह पूर्व आज प्रारंभ हुआ है और 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। मान्यता है कि जब कभी ऐसा अवसर आता है तब सारे तीर्थों का एक साथ संगम हो जाता है। आज एक राष्ट्र के रूप में भारत के लिए ऐसा ही अवसर है। आज हमारे स्वाधीनता संग्राम के कितने ही पुण्यतीर्थ, कितने ही पवित्र केंद्र, साबरमती आश्रम से जुड़ रहे हैं। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपानी, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, लोकसभा सांसद सीआर पाटिल, अहमदाबाद के नवनिर्वाचित मेयर श्रीमान किरीट सिंह भाई, साबरमती ट्रस्ट के ट्रस्टी कार्तिकेय साराभाई जी और साबरमती आश्रम को समर्पित अमृत मोदी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, स्वाधीनता संग्राम की पराकाष्ठा को प्रणाम करने वाली अंडमान की सेल्यूलर जेल, अरुणाचल प्रदेश से 'एंग्लो–इंडियन ्त' की गवाह केकर मोनिन्ग की भूमि, मुंबई का अगस्त क्रांति मैदान, पंजाब का जालियाँवाला बाग, उत्तर प्रदेश का मेरठ, काकोरी और झाँसी, देश भर में ऐसे कितने ही स्थानों पर एक साथ इस अमृत महोत्सव का श्रीगणेश

हो रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे आजादी के असंख्य संघर्ष, असंख्य बलिदानों का और असंख्य तपस्याओं की ऊर्जा पूरे भारत में एक साथ पुनर्जागृत हो रही है। मैं इस पुण्य अवसर पर बापू के चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। मैं देश के स्वाधीनता संग्राम में अपने आपको आहूत करने वाले, देश को नेतृत्व देने वाली सभी महान विभूतियों के चरणों में आदरपूर्वक नमन करता हूँ, उनका कोटि–कोटि वंदन करता हूँ। मैं उन सभी वीर जवानों को भी नमन करता हूँ जिन्होंने आजादी के बाद भी राष्ट्ररक्षा की परंपरा को जीवित रखा, देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए, शहीद हो गए। जिन पुण्य आत्माओं ने आजाद भारत के पुनर्निर्माण में प्रगति की एक एक ईंट रखी, 75 वर्ष में देश को यहां तक लाए, मैं उन सभी के चरणों में भी अपना प्रणाम करता हूँ।

उन्होंने कहा कि, जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों–करोड़ लोगों ने सदियों तक आजादी की एक सुबह का इंतजार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आजादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आजाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। इसीलिए, अभी आपके सामने जो प्रेजेंटेशन रखा गया, उसमें अमृत महोत्सव के पाँच स्तंभों पर विशेष जोर दिया गया है। FREEDOM STRUGGLE आइडियाज AT 75, ACHIEVEMENTS AT 75, ACTIONS AT 75, और RESOLVES AT 75, ये पांचों स्तम्भ आजादी की लड़ाई के साथ–साथ आजाद भारत के सपनों और कर्तव्यों को देश के सामने रखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे। इन्हीं संदेशों के आधार पर आज 'अमृत महोत्सव' की वेबसाइट के साथ साथ चरखा अभियान और आत्मनिर्भर इनक्यूबेटर को भी लांच किया गया है।

अमृत महोत्सव का शुभारंभ दांडी यात्रा के दिन हो रहा है। उस ऐतिहासिक क्षण को पुनर्जीवित करने के लिए एक यात्रा भी अभी शुरू होने जा रही है। ये अद्भुत संयोग है कि दांडी यात्रा का प्रभाव और संदेश भी वैसा ही है, जो आज देश अमृत महोत्सव के माध्यम से लेकर आगे बढ़ रहा है। गांधी जी की इस एक यात्रा ने आजादी के संघर्ष को एक नई प्रेरणा के साथ जन–जन से जोड़ दिया था। इस एक यात्रा ने अपनी आजादी को लेकर भारत के नजरिए को पूरी दुनिया तक पहुंचा दिया था। ऐसा ऐतिहासिक और ऐसा इसलिए क्योंकि, बापू की दांडी यात्रा में आजादी के आग्रह के साथ साथ भारत के स्वभाव और भारत के संस्कारों का भी समावेश था।

ऐसे अनेकों व्यक्तित्वों के कारण ये आंदोलन क्षेत्र की सीमा से बाहर निकलकर के पूरे भारत के जन–जन को आप में समेट लिया। आजादी के इन असंख्य आंदोलनों में ऐसे कितने ही सेनानी, संत आत्माएं, ऐसे अनेक वीर बलिदानी हैं जिनकी एक–एक गाथा अपने आप में इतिहास का एक–एक स्वर्णिम अध्याय हैं! हमें इन महानायकों, महानायिकाओं, उनका जीवन इतिहास भी देश के सामने पहुंचाना है। इन लोगों की जीवन गाथाएं, उनके जीवन का संघर्ष, हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के उतार–चढ़ाव, कभी सफलता, कभी असफलता, हमारी आज की पीढ़ी को जीवन का हर पाठ सिखाएगी। एकजुटता क्या होती है, लक्ष्य को पाने की जिद क्या क्या होती है।

जिला गाजीपुर के गहमर में चौपाल व कर्मठ बूथ अध्यक्ष के घर भोजन करते मा0 प्रदेश अध्यक्ष जी

अकबरपुर के सांसद देवेंद्र सिंह भोले के पिता की पुण्यस्मृति पर आयोजित विचार गोष्ठी

बिजनौर जनपद की धामपुर विधानसभा में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2018-20
मार्च द्वितीय 2021 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 26–29 (द्वितीय पाक्षिक)

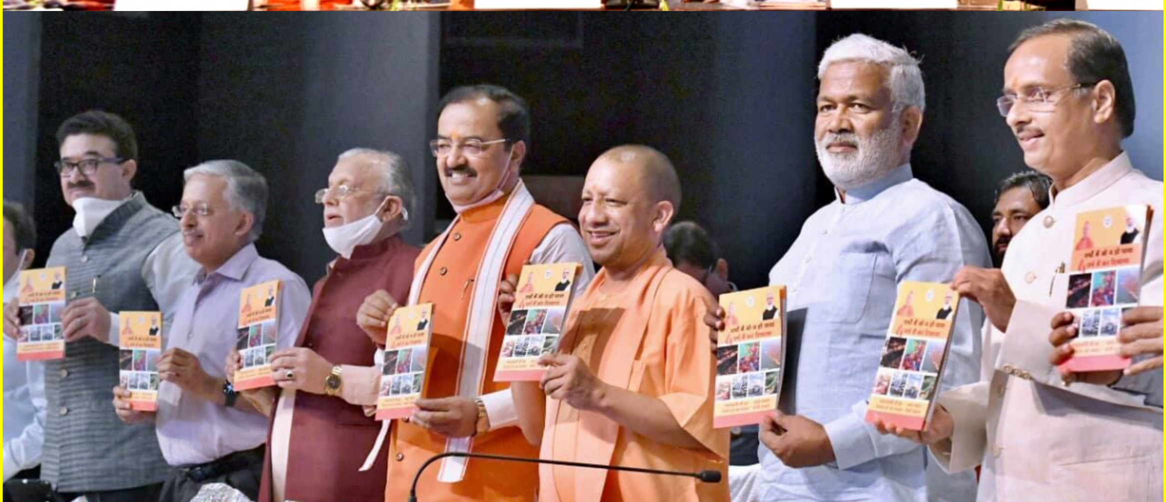

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी